Bhaktasarvasvam

भक्तसर्वस्वम्

Document Information

Text title : Bhaktasarvasvam

File name : bhaktasarvasvam.itx

Category : raama, rAmAnanda, aShTaka, nAmAvalI

Location : doc_raama

Author : bhagavadAchArya

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Latest update : February 16, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 16, 2024

sanskritdocuments.org

Bhaktasarvasvam

भक्तसर्वस्वम्

हे मैथिलीहृदयपङ्कजभृङ्गराज ! हे स्वीयभक्तजनमानसराजहंस ! ।
हे सूर्यवंशविभुवैभव ! रामचन्द्र ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ १॥

हे श्री जानकीजीके हृदयकमलके भ्रमर ! हे स्वभक्तजनों के मनोरूपमानसरोवर के राजहंस ! और हे सूर्यवंश के सर्वस्व श्रीरामजी महाराज ! आपके चरणकमल की रज मेरी रक्षा करे ॥ १॥

हे मैथिलीहृदयपङ्कजकञ्जनाथ ! हे भक्तवत्सल ! कृपाकर ! राघवेन्द्र ! ।
हे दीनरक्षक ! शरण्य ! सुखस्वरूप ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ! ॥ २॥

हे श्रीजानकीजी के हृदयकमलको विकसित करनेवाले सूर्य ! हे भक्तवत्सल ! हे कृपासिन्धु ! दीनों के रक्षक ! हे सबको शरण देनेवाले और हे सुखस्वरूप भगवान् श्रीरामजी महाराज ! आपके श्रीचरणकमल की रज मेरी रक्षा करे ॥ २॥

हे मैथिलीहृदयभूषण ! कान्तकान्ते ! हे नीलपद्मरुचिराङ्घ्रियुग ! स्वयम्भो ! ।
हे विश्वनाथ ! रघुनाथ ! वरेण्यकीर्ते ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ ३॥

हे श्रीजानकीजी के हृदयालङ्कार ! हे सुन्दरकान्तिवाले ! हे नीलकमलसमान सुन्दरचरणवाले ! हे कारणरहित ! हे विश्वनाथ ! और हे प्रशस्तकीर्तियुक्त भगवान् श्रीरामजी महाराज ! आपके श्रीचरणों की रज मेरी रक्षा करे ॥ ३॥

हे मैथिलीहृदयमन्दिरशुभ्रमूर्ते ! हे वायुपुत्रपरिषेवित पद्मपाद ! ।
हे आशुतोष ! जगदीश्वर ! भक्तिलभ्य ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ ४॥

हे श्रीजानकीजी के हृदयमन्दिर की सुन्दरमूर्ति ! हे श्रीहनुमान्जी से सेवित ! हे शीघ्र प्रसन्न होनेवाले, हे भक्तिमात्र से प्राप्त करने योग्य ! हे जगदीश्वर श्रीरामजी महाराज ! आपके चरणों की रज मेरी रक्षा करे ॥ ४॥

हे मैथिलीहृदयराजमणे ! रमेश ! हे सर्वज्ञ ! प्रणतपालक ! दीनबन्धो ! ।
सृष्टिस्थितिप्रलयलील ! महानुभाव ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ ५॥

हे श्रीजानकीजी के हृदय के चिन्तामणि ! हे सर्वव्यापक ! हे प्रणतपालक ! हे दीनबन्धो ! हे सृष्टि, स्थिति और प्रलयरूप लीला करनेवाले ! महातेजस्वी श्रीरामजी महाराज ! आपके चरणकमलों की रज मेरी रक्षा करे ॥ ५॥

हे मैथिलीहृदयवल्लभ ! रूपराशे ! हे सर्वद ! श्रुतिवचस्स्तुत ! राघवेश ! ।
हे पापपुञ्जदहनानल देवदेव ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ ६॥

हे श्रीजानकीजी के परमप्रिय ! हे रूपनिधे ! हे सबकी मन कामना को पूर्ण करनेवाले, वेदवचनों से स्तुत ! हे सम्पूर्ण पापों को भस्म करदेनेवाले, हे देवताओं के भी पूज्य श्रीरामजी महाराज ! आपके चरणों की धूलि मेरी रक्षा करे ॥ ६॥

हे मैथिलीहृदयहार ! मनोजमूर्ते । हे शर्वरीशविमलानन ! सर्वशक्ते ! ।
हे भक्तवश्य ! करुणालय ! नित्यभूते । त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ ७॥

हे श्रीजानकीजी के हृदय के हार ! हे परमसुन्दर मूर्तिवाले ! हे चन्द्रसमान सुन्दर मुखवाले ! हे सर्वशक्तिसम्पन्न ! हे भक्तों के वश में रहनेवाले ! हे परमकारुणिक ! नित्यविभूतियुक्त श्रीरामजी महाराज ! आपके चरणकमलों की धूलि मेरी रक्षा करे ॥ ७॥

हे मैथिलीहृदयवास ! जगन्निवास ! हे भूमिभारहृदयनीश ! जगच्छरण्य ! ।
हे राम ! हे रघुपते ! रघुवीरधीर ! त्वत्पादपङ्कजरजः शरणं ममास्तु ॥ ८॥

हे श्रीजानकीजी के हृदयमें निवास करनेवाले, हे सर्व जगत् के आश्रय ! हे पृथ्वी के भार को हरण करनेवाले ! अनीश जिसका कोई ईश न हो; अर्थात् स्वतन्त्र ! हे सबको शरण देनेवाले ! हे रघुकुलशिरोमणि श्रीरामजी महाराज ! आपके श्रीचरणों की धूरि मेरी रक्षा करे ॥ ८॥

इति श्री परमहंस परिव्राजक जगदगुरु रामानन्दाचार्य स्वामि- श्रीभगवदाचार्य महाराजैः १९७६ तमे विक्रमसम्वत्सरे प्रणीतं भक्तसर्वस्वं समाप्तम् ॥

अथ नामावलिः
ॐ मैथिलीहृदयपङ्कजभृङ्गराजायाय नमः ।
ॐ स्वीयभक्तजनमानसराजहंसायाय नमः ।
ॐ सूर्यवंशविभुवैभवाय नमः ।
ॐ रामचन्द्राय नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयपङ्कजकञ्जनाथायाय नमः ।
ॐ भक्तवत्सलाय नमः ।
ॐ कृपाकराय नमः ।
ॐ राघवेन्द्राय नमः ।

ॐ दीनरक्षकाय नमः ।
ॐ शरण्याय नमः ।
ॐ सुखस्वरूपाय नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयभूषणाय नमः ।
ॐ कान्तकान्तये नमः ।
ॐ नीलपद्मरुचिराङ्घ्रियुगाय नमः ।
ॐ स्वयम्भुवे नमः ।
ॐ विश्वनाथाय नमः ।
ॐ रघुनाथाय नमः ।
ॐ वरेण्यकीर्ते नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयमन्दिरशुभ्रमूर्ते नमः ।
ॐ वायुपुत्रपरिषेविताय नमः ।
ॐ पद्मपादाय नमः ।
ॐ आशुतोषाय नमः ।
ॐ जगदीश्वराय नमः ।
ॐ भक्तिलभ्याय नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयराजमणे नमः ।
ॐ रमेशायाय नमः ।
ॐ सर्वज्ञाय नमः ।
ॐ प्रणतपालकाय नमः ।
ॐ दीनबन्धवे नमः ।
ॐ सृष्टिस्थितिप्रलयलीलाय नमः ।
ॐ महानुभावाय नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयवल्लभाय नमः ।
ॐ रूपराशये नमः ।
ॐ सर्वदाय नमः ।
ॐ श्रुतिवचस्स्तुताय नमः ।
ॐ राघवेशाय नमः ।
ॐ पापपुञ्जदहनानलाय नमः ।
ॐ देवदेवायाय नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयहाराय नमः ।
ॐ मनोजमूर्तये नमः ।

ॐ शर्वरीशविमलाननाय नमः ।
ॐ सर्वशक्ते नमः ।
ॐ भक्तवश्याय नमः ।
ॐ करुणालयाय नमः ।
ॐ नित्यभूतये नमः ।
ॐ मैथिलीहृदयवासाय नमः ।
ॐ जगन्निवासाय नमः ।
ॐ भूमिभारहृदयनीशाय नमः ।
ॐ जगच्छरण्याय नमः ।
ॐ रामायाय नमः ।
ॐ रघुपतये नमः ।
ॐ रघुवीरधीराय नमः ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

Bhaktasarvasvam

pdf was typeset on February 16, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*